VIVEK TUTORIALS

IX (English)

(Final Examination)

Hindi-(Unit two full)

DATE: 18-03-19

TIME: 3 hour

MARKS: 100

SEAT NO:

विभाग १ - गदय

प्र. १ (अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (गद्य)

1) कृति पूर्ण कीजिए | 2

गाँधीजी द्वारा विनोबोजी को दी गई सलाह

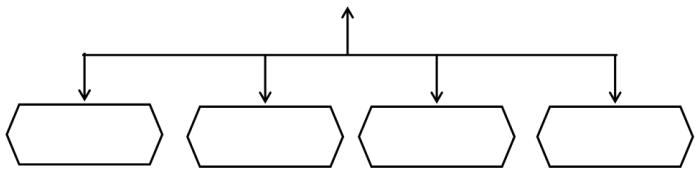

तुम्हारे लिए कौन-सा विशेष काम मैं लाऊँ, यह मुझे नहीं सूझता | तुम्हारा प्रेम और तुम्हारा चरित्र मुझे मोह में डुबो देता है | तुम्हारी परीक्षा करने में मैं असमर्थ हूँ | तुमने जो अपनी परीक्षा की है उसे मैं स्वीकार करता हूँ | तुम्हारे लिए पिता का पद ग्रहण करता हूँ | मेरे लोभ को तो तुमने लगभग पूरा ही किया है | मेरी मान्यता है कि सच्चा पिता अपने से विशेष चरित्रवान पुत्र पैदा करता है | सच्चा पुत्र वह है जो, पिता ने जो कुछ किया है उसमें वृदूधि करें | पिता सत्यवादी, ढृढ़, दयामय हो तो स्वयं अपने में ये गुण विशेषता से धारण करें | यह तुमने किया है, ऐसा दिखता है | तुमने यह मेरे प्रयत्नों से किया है, ऐसा मुझे नहीं मालूम होता | इस कारण तुमने मुझे जो पिता का पद दिया है उसे मैं तुम्हारे प्रेम की भेंट के रूप में स्वीकार करता हूँ | उस पद के योग्य बनने का प्रयत्न करूँगा और जब मैं हिरण्यकश्यप साबित होऊँ तो प्रहूलाद भक्त के समान मेरा सादर निरादर करना |

तुम्हारी यह बात सच्ची है कि तुमने बाहर रहकर आश्रम के नियमों का बहुत अच्छी तरह पालन किया है | तुम्हारे आश्रम में आने के बारे में मुझे शंका थी ही नहीं | तुम्हारे संदेश मामा (फड़के) ने मुझे पढ़कर सुनाए थे | ईश्वर तुम्हें दीघॉयु करें और तुम्हारा उपयोग हिंद की उन्नति के लिए हो, यही मेरी कामना है |

तुम्हारे आहार में किसी प्रकार का परिवर्तन करने का अभी तो मुझे कुछ नहीं लगता | दूध का त्याग अभी तो मत करना | इतना ही नहीं, आवश्यकता हो तो दूध की मात्रा बढ़ाओ |

2) 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए | 2

i. तुम्हारे आश्रम में आने के बारे में मुझे ..... थी ही नहीं |
(इच्छा / शंका / कामना)

ii. ईश्वर तुम्हें ..... करें |
अप्लायु / दीर्घायु / बुद्धिमान |

2. विधान पूर्ण करो |

i. तुम्हारे आहार में किसी प्रकार का परिवर्तन करने का अभी तो .....

ii. जब मैं हिरण्यकश्यप साबित होऊँ तो .....

3) 1. वाक्य शुद्ध करके लिखो | 2

i. उस का योग्य बनने का प्रयत्न करूँगा |

ii. सच्चे पिता अपने से विशेष चरित्रवान पुत्र पैदा करता है |

2. अव्यय भेद पहचानिए |

i. मेरे लोभ को तो तुमने <u>लगभग</u> पूरा ही किया है |

ii. प्रहलाद भक्त के <u>समान</u> मेरा निरादर करना |

4) स्वमत अभिव्यक्ति 2

'हिरण्यकश्यप और प्रहलाद" इस विषय पर 8 से 10 वाक्यों में अपने विचार लिखिए |

(आ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (गद्य)

1) रेखाओंवाले चित्रों की विशेषता 2

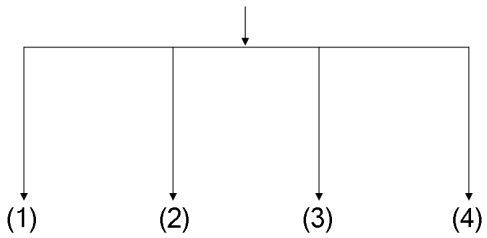

अमरनाथ की टाँग कट गई थी | वे घर गए थे | एक स्वचालित व्हीलचेयर उनके लिए आ गई थी | जिस पर बैठकर वे घर भर में घूमते थे | अमरनाथ के कहने पर घर में कैनवस, रंग, ब्रश और इर्जल, सब समान आ गया था | उन्होंने ईजल पर कैनवास लगाया था | वे हँसते हुए कहते, 'देखो, वर्षो तक मैं चित्रकार बनने और चित्र बनाने की सोचता रहा, पर मुझे फुरसत ही नहीं मिली | मैंने विश्वभर में कलादीर्घाओं में विश्व के बड़े-बड़े चित्रकारों के चित्र देखे हैं और सराहे है | पर जब भी मैं उन्हें देखता तो उन चित्रों में मैं अपने रंगो के लगाए जाने की कल्पना करता था | फिर सारा परिदृश्य ही बदल जाता था |

इन मानव आकृतियों के चित्रों में मूर्तिशिल्प का समन्वय था | स्त्री रंगो के बिना जहाँ उन्होंने रेखाओं से आकृतियाँ बनाई थीं, वहाँ उनमें मांस, मज्जा और अस्थियाँ तक को देखा जा सकता था | रेखाओंवाले चित्रों में एक प्रवाह, ऊर्जा, उमंग और चुस्ती-फुर्ती थी | लगता था, ये आकृतियाँ अभी संवाद करेंगी, हाथ पकड़कर साथ हो लेंगी | इतनी जीवंतता | रंग-रेखाओं से उनका प्यार उनकी हर साँस से नि:सृत होता, जो उनके चित्रों को सजीव कर देता | लगता था, वे हर दृश्य, परिदृश्य, स्थिति और व्यक्ति को रंगों और रेखा में ढाल देंगे |

अमरनाथ घर के भीतर कैनवास पर फूलों, पत्तों झरने और हरियाली के चित्र बनाते, वहीं घर के बाहर की जितनी खुली जमीन थी, माली के साथ उन्होंने उस जमीन को तैयार करवाया था | सामने की जमीन में बगीचा बनाया था, जिसमें रंग-बिरंगे मौसम के फूल क्यारियों में लगाए थे | उनहोंने ऋतुओं के क्रम से फूलों के पौधे लगवाए थे | गर्मी के बाद बरसात और बरसात के बाद सर्दी पौधों में फूल खिलते | घर के पीछे की जमीन में उन्होंने फलों के पेड़ लगा दिए थे | घर की चारदीवारी के साथ फूलों और फलों की बेलें चढ़ा दी थीं | घर और बाहर के लोग आश्चर्य से उनकी ओर देखते | वे हँसते, मैं जीवन का व्याकरण बना रहा हूँ | जीवन के अछूते सच के शिखर पर चढ़ने के लिए सीढ़ियाँ लगा रहा हूँ, ' कहकर हँसने लगते |

2) 1. उत्तर लिखो |

i. इन मानव आकृतियों के चित्रों में इनका समन्वय था |

ii. बगीचे में इनके फूल क्यारियों में लगाए थे |

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो |

i. लगता था, ये अभी _____ करेगी | (बातचीत / संवाद)

ii. फिर सारा _____ ही बदल जाता था (वातावरण / परिदृश्य)

3) 1. शब्द भेद पहचानकर लिखो | 2

i. <u>उन्होंने</u> ऋतुओं के क्रम से फूलों के पौधे लगवाए थे |

ii. घर की चारदीवारी के <u>साथ</u> फूलों और फलों की बेलें चढ़ा दी थी |

2. वचन बदलिए |

i. आकृति

ii. पत्ते

4) स्वमत अभिव्यक्ति 2

"कला में जीवंतता होती है" इस विषय पर 8 से 10 पंक्तियों में अपने विचार लिखिए |

(इ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (अपठित गद्यांश)

1) आकृति पूर्ण कीजिए 2

गदयांश में आई प्रसिद्ध नारियों के नाम

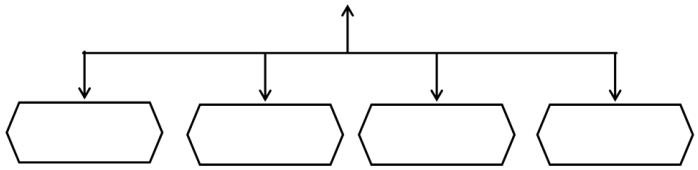

स्वामी दयानंद सरस्वती और राजा राम मोहन राय के प्रयासों से स्त्री ने अपनी खोई हुए प्रतिष्ठा पुन: प्राप्त को | साथ ही शिक्षा ने स्त्री में साहस एवं दृढ़ता के बीज बो दिए शिक्षा का अमूल्य मोती हाथ लगते ही स्त्री अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर कभी मजबूरी में और कभी शौकिया तौर पर नौकरी करने निकाल पड़ी और विश्व के कर्मक्षेत्र में उतर गई | विद्यालय, धर्म, राजनीति, कार्यालय, कारखाने, सड़के, खेल के मैदान, विज्ञान तथा आकाश आदि सभी जगह स्त्री ने कीर्तिमान स्थापित किए इन्दिरा जी ने देश की राजनीति को नवीन मोड देकर विश्व में आदरणीय स्थान प्राप्त किया | माउंट एवरेस्ट पर विजय प्राप्त करने वाली बछेंद्रीपाल और संतोष यादव को हम भूल नहीं सकते | कर्णम मल्लेश्वरी, पी.टी. उषा ने खेलजगत में अपने कीर्तिमान स्थापित किए है |

2) 1. उत्तर लिखिए 2

i. शिक्षा प्राप्त कर स्त्री बन गई है -- _____

ii. आज नारी निकल पड़ी है --- _____

2. सही विकल्प चुनकर (वाक्य पूर्ण कीजिए

i. इन्दिरा गांधी जी ने --

(अ) राजनीति को नया मोड दिया (ब) समाज को नया मोड दिया | (क) घर को नया मोड दिया |

ii.माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली सबसे पहली महिला थी

संतोष यादव 2> बछेंद्री पाल 3> आरती साहा |

3) 1. परिच्छेद में आई कोई दो व्यक्ति वाचक संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए : 2

i. .....

ii. .....

2. मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए

i. बोज बोना –

4) स्वमत 2

'नारी नहीं रही बेचारी' इस पर अपने विचार लिखिए |

विभाग २ - पदय

प्र. २ (अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (पद्य)

1) संजाल पूर्ण कीजिए । 2

1. कवि ने इन मानवीय गुणों की ओर संकेत किया है|

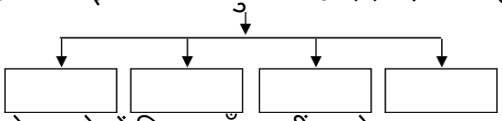

अँधेरे के इलाके में किरण माँगा नहीं करते
जहाँ हो कटकों का वन, सुमन माँगा नहीं करते |

जिसे अधिकार आदर का, झुका लेता स्वयं मस्तक
नमन स्वयमेव मिलते हैं, नमन माँगा नहीं करते

परों में शक्ति हो तो नाप लो उपलब्ध नभ सारा
उड़ानों के लिए पंछी, गगन माँगा नहीं करते |

जिसे मन-प्राण से चाहा, निमंत्रण के बिना उसके
सपन तो खुद-ब-खुद आते, नयन माँगा नहीं करते |

जिन्होंने कर लिया स्वीकार, पश्चात्ताप में जलना
सुलगते आप, बाहर से, अगन माँगा नहीं करते |

2) अ) एक शब्द मे उत्तर लिखिए । 2

1. उड़ान के लिए यह गगन नहीं माँगते –
2. नयन में खुद-ब-खुद यह आते हैं –

ब) सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए ।

1. परों में शक्ति हो तो ------उपलब्ध नभ को नापना है|
   1) उपलब्ध नभ को नापना है
   2) उपलब्ध जल को नापना है
   3) भू को नापना है
2. सुलगते आप, बहार से ----- अगन माँगा नहीं करते|
   1) तपन माँगा नहीं करते
   2) अगन माँगा नहीं करते
   3) बुझन माँगा नहीं करते

3) भावार्थ लिखिए । 2

(आ) पठित पद्यांश का सूचना के अनुसार विश्लेषण कीजिए। (6)

परों में शक्ति हो तो नाप लो उपलब्ध नभ सारा
उड़ानों के लिए पंछी, गगन माँगा नहीं करते |

जिसे मन-प्राण से चाहा, निमंत्रण के बिना उसके
सपन तो खुद-ब-खुद आते, नयन माँगा नहीं करते |

1) प्रस्तुत पद्यांश के कवि का नाम क्या है ?
2) कविता की विधा क्या है ?
3) इस कविता में आपका पसंदीदा व्यक्ति कौन है ?
4) पसंद व्यक्ति के पसंदीदा होने का कारण लिखिए ।
5) कविता से प्राप्त संदेश लिखिए ।

(इ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (अपठित पद्यांश)

1) 1.उत्तर लिखिए | 2

i. इस कविता में कौन बात कर रहा है ?
ii.पेड़ न रहने पर किसका संहार हो जाएगा ?

मै तुम्हारी शक्ति हूँ
मुझे मत काटो मेरे दोस्तों !
मै तुम्हारा साथी हूँ |
मै करता आया चुपचाप,
सदा तुम्हारा ही उपकार,
मैं न रहूँगा तो धरती का,
पल भर में होगा संहार |
मेरे कारण होती वर्षा,
मीठी – मीठी पड़े फुहार,
मुझसे ही बनते हैं बादल,
देते पानी का भंडार |
मुझे मत काटो मेरे दोस्तों !
मैं करता अनंत उपकार |

2) 1. पद्यांश में आए तुकांत शब्द चुनकर लिखिए | 2

i. ..... ii. .....

2. निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए |

i. संहार..... ii. भंडार.....

3) पद्यांश का सरल हिंदी में अर्थ लिखिए | 2

विभाग ३ - पूरक पठन

प्र. ३ (अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए - (पूरक पठन) (4)

1) कृति पूर्ण करो -

1. उनकी इच्छा है, बच्चों की तरह इनका अंतिम संस्कार किया जाए | ☐
2. उसको घर पहुँचते ही वे खबर कर देंगी | ☐
3. पहली बार उन्होंने इनको रोते हुए देखा है | ☐
4. तुम्हारे सोनू को इसमें गाड़ने ले जा रहे हैं, तुम्हारे पापा | ☐

मोनू उनकी गोदी में मुँह सटाए उनके चेहरे को देख रहा है, बिटर-बिटर दृष्टि, आंसुओं से भरी हुई | जानवर भी रोते है ! पहली बार उन्होने किसी जानवर को रोते हुए देखा है | मोनू को हथेली में हल्के हाथों से दबोचकर उन्होने उसे सीने से सटा लिया | हिचकियाँ भर रहा था मोनू ? काली बदली उनके चेहरों पर उतर आई है |

अणिमा जोशी के मोबाइल से उनहोंने बेटे शैलेश को दफ्तर में खबर कर देना उचित समझा | न जाने परेशान तविषा ने शैलेश को फोन किया हो, न किया हो | शैलेश ने कहा था, "ऐसा करें अम्मा, घर पहुँच ही रही हैं आप | नीचे सोसाइटी में चौकीदार को कहकर सोनू को उठाकर अपार्टमेंट्स से लगे नाले में फिंकवा दें |

उन्होने शैलेश से स्पष्ट कह दिया था-छुट्टी लेकर वह फौरन घर पहुंचे | उनके घर पहुँचने तक पीयूष घर पहुँच चुका होगा | नाले में वह सोनू को हरगिज नहीं फिंकवा सकतीं | पीयूष सोनू को बहुत प्यार करता है | स्थिति से भागने की बजाय उसका सामना करना ही बेहतर है | सोनू को घर में न पाकर उसके अबोध मन के जिन सवालों से पूरे घर को टकराना होगा-उसे संभालना कठिन होगा | जमादार को घर पहुँचते ही वे खबर कर देंगी | उनकी इच्छा है, घर के बच्चे की तरह सोनू का अंतिम संस्कार किया जाए | "पहुंचता हूँ |" शैलेश ने कहा था |

उन्होने पीयूष को समझा दिया था- " तुम्हारे सोनू को जमीन में गाड़ने ले जा रहे हैं, तुम्हारे पापा | नन्हें बच्चों की मौत होती है तो उन्हें जमीन में गाड़ दिया जाता है |

2) स्वमत अभिव्यक्ति 2

आपने एक सफेद चूहा पाला है, उसकी विशेषता ओं का 8 से 10 वाक्यों में वर्णन कीजिए |

(आ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए - (पूरक पठन) (4)

1) आकलन कृति - 2

1. पद्यांश में आए जीवों के नाम

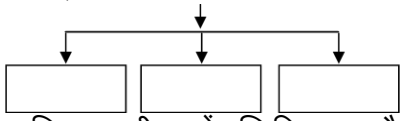

2. विषणण जीवन में प्रति दिन रहता है - ☐

खग चखते फल,
कुतर रहीं गिलहरियाँ कोंपल,
वन-पशु सब लगते प्रसन्न
परिचित मरकत आँगन में !

स्वाभाविक,
यदि मुझे याद आता
ईश्वर इस क्षण में !
जड़ जग इतना सुंदर जव
चेतन जग में क्या कारण

रहता अहरह जो
विषण्ण जीवन मन का संघर्षण ?
मनुज प्रकृति का करना फिर
नव विश्लेषण, संश्लेषण, -
ईश्वर का प्रतिनिधि नर,
अभिशापित हो उसका जीवन ?
लगता, अपनी क्षुद्र अहंता ही में
सीमित, केंद्रित,
छिन्न हो गया विश्व चेतना से
मानव मन निश्चित !

2) भावार्थ लिखिए । 2

स्वाभाविक,
यदि मुझे याद आता
ईश्वर इस क्षण में !
जड़ जग इतना सुंदर जव
चेतन जग में क्या कारण
रहता अहरह जो
विषण्ण जीवन मन का संघर्षण ?

प्र. ४ व्याकरण

1) 1. अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए (1)

मैंने तुम्हारे रूपए हड़प लिए और तुम धन्यवाद दे रही हो ।

2. निम्नलिखित शब्दों के वाक्य प्रयोग अव्यय के रूप में कीजिए। (1)

वाह !

2) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए (2)

1) नौकर के प्रारंभिक वर्षो में वे प्राय: देर से लौटते थे I

2) कुटी के सामने योगी - सा कुसुमायुध बैठा है ।

3) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (2)

1) पिताजी की बातों क असर हुआ I (सामा. वर्तमान)

2) मैंने तुम्हारी बात नहीं सुनी | (सामान्य वर्तमान)

4) निम्न शब्दों को संधि विच्छेद कर भेद लिखिए (2)

1) सावधान

2) संकल्प

5) रचना के आधार पर निम्न वाक्यों के वाक्य भेद लिखिएः (2)

1) अगर कोई चीज गायब हुई तो पुलिस को इत्तला कर दूँगा I

2) चौकसी रखना तो मेरी जिम्मेदारी है I

6) मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए (2)

1) नजर आना

2) उहापोह में रहना –

7) वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए (2)

1) हमारी सैनिक बहुत बहादुरी से सामना की |

2) परीक्षा में कम अंक आने से हताश छात्रा ने खुदकुशी कर लिया |

8) वाक्यों में रेखांकित क्रियाओं के भेद लिखिए I (1)

हमने डॉक्टर को बुलवाया हैं I

9) निम्न क्रियाओं के प्रथम एवं द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए : (1)

चांदनी

10) निम्न शब्दों को मानक वर्तनी के अनुसार लिखिएः (1)

अव्दितीय

11) निम्न वाक्यों में संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण शब्द चुनकर लिखिए (1)

शांति बुआ ठंडा पानी पीकर उठ गई I

प्र. ५ (अ) उपयोजित लेखन

1. पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए (5)

विशाल/वैशाली पाटील, १७, शिवनेरीनगर, नाशिक से व्यवस्थापक, सोनाली औषधालय, सावरकर चौक, नाशिक को पत्र लिखकर वी.पी.पी. द्‌वारा औषधियौं मँगवाता/मँगवाती है|

2. निम्नलिखित गद्‌यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य मे हो| (5)

सरस साहित्य को अक्सर ललित साहित्य भी कहा जाता है| इसमें किसी निरपेक्ष सत्य का दावा नहीं किया जा सकता| यहाँ मुख्य उद्देश्य या ठो विशुद्ध मनोरजन होता है या फिर जीवन की सुक्ष्मतम भावनाओ और अनुभूतियों को पाठकों तक संप्रेषित करना होता है| ऐसा साहित्य पाठक को आह्लादित करता है, उसे करुणा या स्नेह से सराबोर करता है तथा उसकी संवेदनशील को उभरता है| वास्तव में सरस साहित्य वह है, जो कवि की आत्मा 'रस' पर ध्यान देता है और पाठक को एक ऐसे संसार में ले जाता है, जहाँ रचनकर की भावनाओ के साथ उसका साधारिकरण हो जाता है| सच तो यह है की साहित्य की परिपूर्णता उसकी सरसता में है तथा शब्दार्थ के जिस सहभाव की कल्पना साहित्य मे है, उसके रमनीयत और सरसता का समावेश अनिवार्य है|

(आ) 1. विज्ञापन लेखन (5)

'गरीबी हटाओ' विषय पर एक विज्ञापन तैयार कीजिए|
निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर विज्ञापन बनाइए|

2. निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखए. (5)

चार चोर - धन चुराना - बँटवारे के लिए जंगल में जाना - भूख लगना - दोनों का मिठाई लाने नगर में जाना - मन में पाप - मिठाई में जहर मिलाना - जंगल के दोनों चोरों की भी नीयत बिगड़ना - हाथ - मुँह धोने के बहाने कुएँ पर ले जाना - कुँए में धकेलना - शेष दोनों का मिठाई खाना - परिणाम |

3. वृत्तांत लेखन कीजिए (5)

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर वैश्विक महिला दिवस समारोह पर वृत्तांत लिखिए
i. स्थान ii. तिथि समय iii. प्रमुख अतिथि iv. समारोह v. अतिथि संदेश vi. समापन

(इ) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :- (7)

विद्‌यार्थी और अनुशासन

OR

दहेज : एक सामाजिक आभिशाप